प्रकाश जावडेकर
Prakash Javadekar

सत्यमेव जयते

मंत्री
मानव संसाधन विकास
भारत सरकार

MINISTER
HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT
GOVERNMENT OF INDIA

संदेश

प्रिय साथियों,

हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

स्वतंत्र भारत की संविधान सभा ने सर्वसम्मति से 14 सितंबर, 1949 को यह निर्णय लिया था कि संघ की राजभाषा हिंदी होगी और लिपि देवनागरी होगी। इसी उपलक्ष्य में 14 सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में मनाने की परंपरा शुरू हुई। इस दिन हम केंद्र सरकार के कार्यालयों में राजभाषा हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग सुनिश्चित करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हैं।

यह सत्य है कि हिंदी एक समृद्ध भाषा है और इसने जनमानस की आकांक्षाओं को पूरा किया है। इसलिए हिंदी राष्ट्रीय एकता की कड़ी है। भारत के कोने-कोने में इसे समझने और बोलने वाले हैं, चाहे वे दक्षिण भारत के लोग हों या पूर्वोत्तर के, हिंदी सभी को एकता के सूत्र में बांधे हुए है। इसके अलावा हमने राजभाषा हिंदी के जरिए अपनी समद्ध बौद्धिक परंपरा के साथ आधुनिक ज्ञान को मिलाकर, सफलता के नए आयाम स्थापित किए हैं।

आज विश्व, भारत को एक उभरती हुई विश्व आर्थिक शक्ति के रूप में देख रहा है। लेकिन यह सपना तभी साकार होगा जब हम राजभाषा हिंदी को ज्ञान-विज्ञान, अर्थव्यवस्था, सूचना प्रौद्योगिकी आदि सभी क्षेत्रों से जोड़ें और इन क्षेत्रों के लाभ जन-जन तक पहुंचें। यद्यपि हमने ज्ञान-विज्ञान के साथ-साथ भाषा के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति की है, तथापि हिंदी को सार्वजनिक क्षेत्रों सहित निजी क्षेत्रों में भी अपनाने और प्रोत्साहित किए जाने की आवश्यकता है। हमें यह भी प्रयास करने चाहिए कि रोज़मर्रा का छोटा-मोटा सरकारी कामकाज मूलतः हिंदी में करें। इसके लिए हमें राजभाषा हिंदी के प्रयोग के प्रति सकारात्मक रवैया अपनाना होगा; तब ही मानव संसाधन विकास मंत्रालय और इसके अंतर्गत आने वाले सभी कार्यालयों में हिंदी, कामकाज की भाषा के रूप में पूरी तरह स्थापित होगी ।

आइए आज हम सब मिलकर संकल्प लें कि हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर राजभाषा नीति संबंधी अपेक्षाओं को पूरा करते हुए अपना सरकारी कामकाज अधिक से अधिक हिंदी में करेंगे।

जय हिंद !

नई दिल्ली
14 सितंबर, 2016

(प्रकाश जावडेकर)